भगवान श्री रामचंद्र जी की आरती

आरती कीजै रामचन्द्र जी की ।
हरि हरि दुष्टदलन सीतापति जी की ॥ १ ॥

पहली आरती पुष्पन की माला ।
काली नाग नाथ लाये गोपाला ॥ २ ॥

दूसरी आरती देवकी नन्दन ।
भक्त उबारन कंस निकन्दन ॥ ३ ॥

तीसरी आरती त्रिभुवन मोहे ।
रत्न सिंहासन सीता रामजी सोहे ॥ ४ ॥

चौथी आरती चहुं युग पूजा ।
देव निरंजन स्वामी और न दूजा ॥ ५ ॥

पांचवीं आरती राम को भावे ।
रामजी का यश नामदेव जी गावें ॥ ६ ॥

www.viswakalyanam.org

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133